



:: बायुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ::  
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,



द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2<sup>nd</sup> Floor, GST Bhavan,  
रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,  
राजकोट / Rajkot - 360 001

सत्यमेव जयते

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: commapp13-cexamd@nic.in

रजिस्टर्ड डाक ए.डी. द्वारा :-

DIN-20221164SX0000222967

क	अपील / फाइल संख्या/ Appeal / File No.	मूल आदेश नं / OIO No.	दिनांक/ Date
	V2/17/EA2/RAJ/2021	01/REF/2021-22	10-07-2021

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

**RAJ-EXCUS-000-APP-361-2022**

आदेश का दिनांक /  
Date of Order: **02.11.2022** जारी करने की तारीख /  
Date of issue: **02.11.2022**

श्री शिव प्रताप सिंह, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /

Passed by Shri Shiv Pratap Singh, Commissioner (Appeals), Rajkot.

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर/ वस्तु एवं सेवाकर,  
राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से सृजित: /  
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central  
Excise/ST / GST, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ अपीलकर्ता/प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-

**M/s. Gujarat Precision Cast Pvt. Ltd., Survey No. 188, Plot No. 3, NH-27  
Veraval(Shaper)-360024**

इस आदेश (अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/  
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following  
way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के  
अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है।/  
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section  
86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बंधित सभी मामलों में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2,  
आर.के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए।/  
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New  
Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलों में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की  
पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहुमाली भवन असावा अहमदाबाद- 360016 को की जानी चाहिए।/  
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2<sup>nd</sup> Floor,  
Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-360016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए  
गये प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और  
समाप्त गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये,  
5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की  
शाखा के सहायक रजिस्टार के मांग से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का  
भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्पष्ट आवेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के  
साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/  
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of  
Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be  
accompanied by a fee of Rs. 1,000/-, Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty  
demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of  
crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where  
the bench of any non-inated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.  
Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के तहत  
निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से  
एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5  
लाख या उससे कम 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा  
10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक  
रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस  
शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्पष्ट आवेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये  
का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/  
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed  
in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be  
accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be  
accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is  
Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more  
than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest  
demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the  
Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is  
situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.



- (i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकती एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जमाना विवादित है, या जमाना, जब केवल जमाना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दम करोड़ रुपये से अधिक न हो।  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है  
(i) धारा 11 की के अंतर्गत रकम  
(ii) सेनवेट जमा की ली गई गलत राशि  
(iii) सेनवेट जमा नियमावली के नियम 5 के अंतर्गत देय रकम  
- बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं-2) अधिनियम 2014 के अंश से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचारार्थीन स्थापन नहीं एवं अपील को लागू नहीं होगा। /  
For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores,  
Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :  
(i) amount determined under Section 11 D;  
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;  
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules,  
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :  
Revision application to Government of India:  
इस आदेश की पुनरीक्षणवाचिका निम्नलिखित मामलों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथमपूरुक्त के अंतर्गत अवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जेवन दीप भवन, गंसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /  
A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:  
(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहाँ नुकसान किसी मात्र को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। /  
In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse  
(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर चरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /  
In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.  
(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। /  
In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.  
(iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो क्यूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं-2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीख अथवा समाप्ति तिथि पर या बाद में पारित किए गए हैं। /  
Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.  
(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संश्लेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील अर्पण की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदावती के प्राप्ति के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। /  
The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.  
(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदावती की जानी चाहिए।  
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।  
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.  
(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त ढंग से किया जाना चाहिए। इस उद्य के होते हुए भी की निम्न पढी कार्य से बचने के लिए दयास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। /  
In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.  
(E) न्यायाधिकरण न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। /  
One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.  
(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में बर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। /  
Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.  
(G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in) को देख सकते हैं। /  
For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in)



## अपील आदेश / ORDER-IN-APPEAL

Appeal has been filed by Assistant Commissioner, CGST Division-II, Rajkot (hereinafter referred to as the 'Revenue') against Order-in-Original No. 01/REF/2021-22 dated 07.10.2021 (hereinafter referred to as 'impugned order') passed by the Deputy Commissioner, Central Excise & CGST, Division-II, Rajkot (hereinafter referred to as 'sanctioning authority') in favour of M/s Gujarat Precision Cast Pvt Ltd, Survey No.188, Plot No.3, NH-27, Varaval (Shapar)-360 024 (hereinafter referred to as the 'respondent')

2. Briefly stated the facts of the case are that the respondent was registered with Central Excise and has wrongly carried forward balance of PLA as on 30.06.2017 amounting to Rs.23,083/- as Central Tax in TRAN-1. On being objected by the audit, the respondent reversed the same along with interest and penalty on 14.02.2021. Thereafter the respondent filed refund of the same and the same was sanctioned by adjudicating authority under the impugned order.

3. Being aggrieved, the 'Revenue' has filed the present appeal on the ground that the adjudicating authority has erred in evaluating the fact that the respondent has filed the refund claim for Rs.23,083/- manually in Form-R for refund of so-called unutilized balance lying in PLA as on 30.06.2017. However, the respondent had transitioned the said amount as Central Tax in TRAN-1 and on being pointed out by the audit they reversed the said amount along with interest and penalty. It is submitted by Revenue that the adjudicating authority has wrongly considered the reversed amount of GST regime without any authority and failed to observe that Personal Leger Account cease to be in existence after 30.06.017. The respondent applied for refund of so-called 'unutilized balance lying in PLA on 27.07.021 and re-credit thereof in PLA by the claimant on their own is not proper and legal.

4. The respondent, vide letter dated 11.01.022, submitted that their refund request for Rs.23,083/- was not placed within stipulated time of one year and thus that could be refunded to them according to the rules. They submitted that having studied some similar cases they found Pujan Builders Engineers & Contractors, refund was granted. They contended that they have submitted only true facts to obtain refund and nothing fake for a small amount.

5. Personal hearing was held on 01.11.2022 when Shri Amit Pandya, Manager and Shri Joby Thomas, Asstt. Manager appeared for hearing and reiterated the submissions already made in their letter dated 11.01.2022 and requested to reject the appeal filed by the department and uphold the impugned



*[Handwritten signature]*

order sanctioning refund to them.

6. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, grounds of appeal in the appeal memorandum and the submissions of the respondent. The revenue in the present appeal is contesting the refund of PLA balance granted to the respondent.

7. In this regard, I find that, the respondent was registered with Central Excise and has wrongly carried forward balance of PLA as on 30.06.2017 amounting to Rs.23,083/- as Central Tax in TRAN-1. On being objected by the audit, the respondent reversed the same along with interest and penalty on 14.02.2021. Thereafter the respondent has filed refund claim for refund of the balance amount lying in their PLA. The adjudicating authority has sanctioned the refund, but the Revenue is aggrieved by the same. Revenue in the grounds of appeal submitted that the adjudicating authority has wrongly considered the reversed amount of GST regime without any authority and failed to observe that Personal Ledger Account cease to be in existence after 30.06.017. However, the balance amount of Rs.23,083/- in the PLA of the respondent is not disputed by the revenue. Even though the respondent had carried forward the same as input tax credit in GST regime by filing TRAN-1, the same stand reversed with interest and penalty. As such, said amount was still lying in PLA and the respondent has no chance to utilize the same in GST regime and only remedy available with them was to claim refund of the same which they rightly did. Merely because the Personal Ledger Account cease to be in existence after 30.06.2017, does not mean that the said amount would lapse.

8. In view of above discussions, I do not find any infirmity in the order by which adjudicating authority sanctioned the refund claim and accordingly, I reject the appeal filed by the revenue.

९. डिपार्टमेंट द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

9. Appeal filed by the Revenue is disposed off as above.

सत्यापित / Attested

*[Signature]*

Superintendent  
Central GST (Appeals)  
Rajkot

*[Signature]*  
21/11/2022

(शिव प्रताप सिंह/ SHIV PRATAP SINGH)  
आयुक्त (अपील)/Commissioner (Appeals)

By R.P.A.D.

सेवा में,  
मे० गुजरात प्रेसिशन कास्ट प्राइवेट लिमिटेड  
सर्वे नो.188, प्लॉट No.3, एन।एच।-27  
वेरावल (शपर)-360 024

To  
M/s Gujarat Precision Cast Pvt Ltd,  
Survey No.188, Plot No.3, NH-27,  
Varaval (Shapar)-360 024



प्रतिलिपि:-

- 1) मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।
- 2) आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, राजकोट आयुक्तालय, राजकोट को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 3) ऊप आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मंडल-II, राजकोट को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 4) गार्ड फ़ाइल।



